



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 266]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 10, 1993/श्रावण 19, 1915

No. 266]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 10, 1993/SRAVANA 19, 1915

जल भूतल परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1993

सा. का. नि. 541(अ):—मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 88 की उपधारा (9) के साथ पठित उपधारा (14) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मोटर यान (पर्यटक परिवहन आपरेटरों के लिए अखिल भारतीय परमिट) नियम, 1993 का प्रारूप, उक्त अधिनियम की धारा 212 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उप-खंड (i) में अधिसूचना सं. 10(अ), तारीख 11 जनवरी, 1993 द्वारा प्रकाशित किया गया था जिसमें ऐसे सभी व्यक्तियों, से जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उस तारीख से, जिसको भारत के राजपत्र में प्रकाशित उक्त अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी गई थी, पैंतालीस दिन के भीतर आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे।

और उक्त अधिसूचना की प्रतियां 27 जनवरी, 1993 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी और प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर विचार कर लिया गया है।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 88 की उपधारा (9) के साथ पठित उपधारा (14) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

नियम

संक्षिप्त नाम, विस्तार, प्रारंभ और छूट:—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम मोटर यान (पर्यटक परिवहन आपरेटरों के लिए अखिल भारतीय परमिट), नियम, 1993 है ;
- (2) इनका विस्तार सम्पूर्ण भारत पर है ;
- (3) ये राजपत्र में अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे;
- (4) केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के नियम 82 से 85 के तक में विहित शर्तें इस स्कीम के अधीन अनुदत्त परमिटों को लागू नहीं होंगी।

परिभाषाएं:—

2. इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ अन्यथा अपेक्षित न हो—

- (क) “अधिनियम” से मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) अभिप्रेत है
- (ख) “प्राधिकार प्रमाणपत्र” से किसी समुचित प्राधिकारी द्वारा किसी मान्यताप्राप्त पर्यटक परिवहन आपरेटर को जारी बिथा ऐसा प्रमाणपत्र अभिप्रेत है जो उसे सम्पूर्ण भारत के राज्य क्षेत्र में या कम से कम तीन ऐसे सगीपस्थ राज्यों में, जिनमें वह राज्य भी सम्मिलित है, जिसमें परमिट जारी किया गया है, ऐसे मान्यताप्राप्त परिपथों पर जो उसे किसी पर्यटक यान के

लिए अनुदान परमिट में विनिर्दिष्ट है, पर्यटक यात्रा चलाने के लिए प्राधिकृत करना है।

- (ग) "समुचित प्राधिकारी" से ऐसा प्राधिकारी अभिप्रेत है जिसे अधिनियम के अधीन पर्यटक यात्रा की बाबत परमिट अनुदान करने के लिए प्राधिकृत किया गया है।
- (घ) "नियम" से केन्द्रीय मोटर यात्रा नियम, 1989 का नियम अभिप्रेत है।
- (ङ) "धारा" से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है।
- (च) "अनुसूची" से इन नियमों में सहाय्य अनुसूची अभिप्रेत है।
- (छ) "पर्यटक परिवहन आपरेटर" से पर्यटक परिपथों पर पर्यटन के सन्धन के परिवार में लोगों द्वारा भारत सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा मान्यताप्राप्त कोई कंपनी या व्यक्ति अभिप्रेत है।

3. प्राधिकार प्रमाणपत्र केन्द्रीय सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा केवल मान्यताप्राप्त किसी पर्यटक परिवहन आपरेटर को जारी किया जाएगा।

प्राधिकार प्रमाणपत्र का प्रारूप, विषय वस्तु और कालावधि, आदि - -

4. (1) प्राधिकार प्रमाणपत्र जारी करने के लिए प्रत्येक आवेदन संस्थित राज्य परिवहन प्राधिकरण को पहली अनुसूची में दिए गए प्रारूप में किया जाएगा।
- (2) प्रत्येक प्राधिकार प्रमाणपत्र तुरन्ती अनुसूची में दिए गए प्रारूप में होगा।
- (3) प्राधिकार प्रमाणपत्र की विभिन्न अवधि एक बार में एक वर्ष से अधिक नहीं होगी।
- (4) प्राधिकार प्रमाणपत्र का नवीकरण उसकी समाप्ति की तारीख से पन्द्रह दिन पूर्व किए गए आवेदन पर किया जा सकेगा।

प्राधिकार प्रमाणपत्र के लिए आवेदन करने और उसे जारी करने की प्रक्रिया - -

5 (1) प्राधिकार प्रमाणपत्र के लिए आवेदन किसी भी कार्यदिवस को सम्बद्ध राज्य परिवहन प्राधिकरण को किया जा सकेगा।

(2) सामान्यतया राज्य परिवहन प्राधिकरण इन नियमों के अधीन प्राधिकार प्रमाणपत्र जारी किए जाने के लिए किए गए आवेदन को नामजूर नहीं करेगा।

(3) परिवहन प्राधिकरण उप नियम (1) के अधीन किए गए आवेदन को उचित और पर्याप्त कारणों से जो लेखबद्ध किए जाएंगे, या जहां प्राधिकारी की यह राय है कि इससे धारा 74(3) के निबन्धों के अनुसार सीमित प्राधिकार प्रमाणपत्र की संख्या में वृद्धि हो जाएगी नहीं, नामजूर कर सकेगा।

परन्तु प्राधिकार प्रमाणपत्र जिसके लिए आवेदन किया गया है, राज्य परिवहन प्राधिकरण द्वारा आवेदन की प्राप्ति की तारीख से तेस दिन की अवधि के भीतर जारी या नामजूर किया जाएगा।

परमिट का अन्तर्ण - -

6. (1) उपनियम (2) में यथा प्रत्येक उपबन्धित के सिवाय, प्राधिकार प्रमाणपत्र उस राज्य परिवहन प्राधिकरण की अनुज्ञा के सिवाय, जिसने प्राधिकार प्रमाणपत्र जारी किया है, एक व्यक्ति ऐसे दूसरे व्यक्ति को अन्तर्णीय नहीं होगा और ऐसी अनुज्ञा के बिना ऐसे किसी व्यक्ति को, जिसे प्राधिकार प्रमाणपत्र के अन्तर्गत आने वाला यात्रा अमर्ण किया गया है, उस यात्रा का प्राधिकार प्रमाणपत्र द्वारा प्राधिकृत रीति से प्रयोग करने का कोई प्राधिकार प्रदान नहीं करेगा।

(2) जहां प्राधिकार प्रमाणपत्र के धारक की मृत्यु हो जाती है वह प्राधिकार प्रमाणपत्र के अन्तर्गत आने वाले यात्रा का कब्जा लेने वाला उत्तर-जनी व्यक्ति, प्राधिकार प्रमाणपत्र का प्रयोग करने का अपना आशय होना

पर, प्राधिकार प्रमाणपत्र के धारक की मृत्यु की तारीख से तीन मास की अवधि तक प्रयोग कर सकेगा।

परन्तु ऐसे किसी प्राधिकार प्रमाणपत्र या उस यात्रा के पण्डित जिसको वह मृत धारक के हाथों में प्रभावी होता समाप्त हो गया होता उसका नवीकरण होने के पश्चात् ही इस प्रकार प्रयोग किया जाएगा।

(3) राज्य परिवहन प्राधिकरण किसी प्राधिकरण प्रमाणपत्र के धारक की मृत्यु के तीन मास के भीतर उसकी किए गए आवेदन पर, उक्त प्रमाणपत्र, प्राधिकार प्रमाणपत्र के अन्तर्गत आने वाले यात्रा का कब्जा लेने वाले उत्तरजनी व्यक्ति को अन्तरित कर सकेगा।

परन्तु राज्य परिवहन प्राधिकरण, तीन मास की उक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् किए गए आवेदन को ग्रहण कर सकेगा यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि आवेदक उचित और पर्याप्त कारणों से विनिर्दिष्ट समय के भीतर आवेदन करने में निवारित हुआ गया था।

यात्रा या बदला जाना

7 प्राधिकार प्रमाणपत्र का धारक, उस राज्य परिवहन प्राधिकरण की अनुज्ञा में जिसने प्राधिकार प्रमाणपत्र जारी किया था, प्राधिकार प्रमाणपत्र के अन्तर्गत आने वाले किसी यात्रा को उसी प्रकार के किसी अन्य यात्रा से बदल सकेगा।

स्पष्टीकरण - उसी प्रकार के यात्रा में यह अभिप्रेत होगा कि उसमें वही बैठने की क्षमता हो जिसके लिए परमिट अनुदान किया गया है और परिवहन कीमत सफल की गई है और बढ़ाया गया ऐसा यात्रा किसी अन्य भेद या मादक वा हो सकता है।

अपील - -

9. (1) कोई व्यक्ति, जो - -

(ग) राज्य परिवहन प्राधिकरण द्वारा प्राधिकार प्रमाणपत्र जारी किए जाने से इन्कार करने या उसे जारी किए गए प्राधिकार प्रमाणपत्र की किसी गत में यथित है, या

(घ) प्राधिकार प्रमाणपत्र के पत्रावली या निबन्धों के अन्तर्गत में या उसकी शर्तों में किए गए किसी फोरफार में व्यथित है, या

(ग) इन नियमों के नियम 6 या धारा 8.3 के अधीन प्राधिकार प्रमाणपत्र अन्तरित करने से इन्कार करने बाध आदेश में व्यथित है, या

(घ) प्राधिकार प्रमाणपत्र का नवीकरण करने से इन्कार करने जाने आदेश में व्यथित है, या

(ङ) किसी अन्य आदेश से, जो किया जाए, व्यथित है उस तारीख में, जिसका उक्त आदेश आवेदक को समुचित किया जाता है, तीन दिन की अवधि के भीतर, मोटर यात्रा अधिनियम, 1988 की धारा 89 की उपधारा (2) के अधीन गठित राज्य परिवहन अपील अधिकरण को अपील कर सकेगा, जो ऐसे राज्य परिवहन प्राधिकरण को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उसका विनिर्णय करेगा जो अन्तिम होगा।

प्राधिकार फीस - -

9 प्राधिकार प्रमाणपत्र जारी करने के लिए फीस 500 रु प्रति वर्ष होगी और उसके जारी या नवीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन के साथ समुचित प्राधिकारी के पक्ष में उक्त रकम का एक ड्राफ्ट होगा।

बैठने की क्षमता :

10. पर्यटक परिवहन आपरेटरों के लिए अखिल भारतीय परमिट केवल ऐसे यानों की बाबत जारी किया जाएगा, जिसकी बैठने की क्षमता, ड्राइवर और कंडक्टर को सीटों का छोड़कर, 35 सीटों से अधिक न हो। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय मोटर यान नियम, 1989 के नियम 128 का उपबंध, उक्त नियमों के उपनियम (11) को छोड़कर, पर्यटक यानों की भी लागू होगा।

पर्यटक कोशों की समयावधि

11. पर्यटक परिवहन आपरेटरों के लिए अखिल भारतीय परमिट, उस तारीख से, जिसकी उक्त परमिट के अंतर्गत आने वाला यान, मोटर कैब की दशा में नौ वर्ष और मोटर कैब से भिन्न किसी यान की दशा में आठ वर्ष पुरा कर लेता है, अतिरिक्त रजिस्ट्रेशन की तारीख से जारी की जाएगी।

स्पष्टीकरण--इस नियम के प्रयोजनार्थ नौ या आठ वर्ष की अवधि की संगणना संबंधित पर्यटक यान के आरंभिक रजिस्ट्रेशन की तारीख से की जाएगी।

मोटर यान पर प्रदर्शित की जाने वाली सुमेक विशिष्टियां :

12. इन नियमों के अधीन जारी किए गए प्राधिकार प्रमाणपत्र के अंतर्गत आने वाले मोटर यान या मोटर कैब को सफेद रंग से पेंट किया जाएगा और यान के शानो और बाकी के बहिर्भाग के मध्य में 5 मीटर-मीटर चौड़ी नीले रंग की एक पट्टी होगी, और 60 सेंटीमीटर व्यास वाले घृत के भीतर "पर्यटक" शब्द लिखा जाएगा। परमिट धारक, मोटर कैब से भिन्न पर्यटक यान के मामले में, पीले रंग का एक बोर्ड भी प्रदर्शित करेगा, जिस पर काले रंग के अक्षरों में, यह अलग-लेखन "अनुमोदित पर्यटक परिवहन आपरेटर स" अंग्रेजी और हिन्दी में, और यदि परमिट धारक ऐसा चाहे तो स्वराज्य की प्रशिक्षित भाषा में भी होगा तथा उपबंध स. 1 में विनिर्दिष्ट रूप में प्रतीक चिन्ह (लोगो) "मोर" होगा।

पर्यटकों की सूची :

13. पर्यटक परिवहन आपरेटर के लिए अखिल भारतीय परमिट के अधीन चलने वाले मोटर कैब से भिन्न किसी पर्यटक यान में जब समय प्रत्येक ट्रिप की बाबत पर्यटक-यात्रियों की एक सूची होगी और अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियम द्वारा या उसके अधीन दस्तावेज पेश करने की मांग करने के लिए प्राधिकृत अधिकारियों द्वारा गिने जाने पर वह सूची प्रस्तुत की जाएगी।

अखिल भारतीय पर्यटक परमिट धारक द्वारा फाइल में जाने वाली तैमसिक विवरणी -

14. अखिल भारतीय पर्यटक परमिट धारक, इन नियमों के अंतर्गत आने वाले मोटर यान की बाबत राज्य के सम्बंधित प्राधिकारी को, जिसने अखिल भारतीय परमिट अनुदत्त किया है, तैमसिक अनुसूची में दिए गए प्रारूप में तैमसिक विवरणी फाइल करेगा और उक्त प्राधिकारी उसकी प्रतियां अन्य संबंधित राज्यों के सम्बंधित प्राधिकारियों को भेजेगा।

मान्यता प्रमाणपत्र।

15 (1) मान्यता प्रमाणपत्र के लिए पात्रता शर्तें वे होंगी जो चौकी अनुसूची में दी गई हैं।

(2) पर्यटन विभाग, भारत सरकार, द्वारा दिए जाने वाले मान्यता-प्रमाणपत्र के लिए प्रत्येक आवेदन, पर्यटन महानिदेशालय, पर्यटन विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली-110001 को पांचवी अनुसूची में विहित प्रारूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) मान्यता प्रमाणपत्र छोटी अनुसूची में विहित प्रारूप में अनुदत्त किया जाएगा।

[फा. स. आर टी-11053/1/92--एम बी एस]
सी. एम. खैरवान, सयुक्त सचिव

पहली अनुसूची

[नियम 4(1) देखिए]

प्राधिकार प्रमाणपत्र जारी किए जाने के लिए आवेदन का प्रारूप

सेवा में,

राज्य परिवहन प्राधिकरण,

*मैं/हम, अधोहस्ताक्षरी, भारत के संपूर्ण राज्यक्षेत्र,

(यहां उन राज्यों का नाम लिखें जिन्हें लागू होगा)

राज्य में विधिमानी प्राधिकार प्रमाणपत्र जारी किए जाने के लिए आवेदन करता* हूँ/करते हैं ;

1. आवेदक (आवेदको) या कंपनी का पूरा नाम
(उपनाम, यदि कोई हो, से प्रारंभ करें)

2. पिता या पति का नाम
(व्यक्ति की दशा में)

3. पूरा पता

4. मोटर यान का रजिस्ट्रीकरण चिह्न

5. मोटर यान का इंजन संख्यांक
6. मोटर यान का चैसिस संख्यांक
7. मोटर यान का मूल परमिट संख्यांक
8. मोटर यान का परमिट जारी करने वाला प्राधिकारी
9. मोटर यान का मेक
10. मोटर यान का रजिस्ट्रीकृत लदान मार
11. मोटर यान का अरजिस्ट्रीकृत लदान भार,
12. पर्यटन विभाग, भारत सरकार, द्वारा जारी किए गए मान्यता प्रमाणपत्र की विशिष्टियां (प्रति संलग्न करें)
13. मोटर यान के विनिर्माण का वर्ष
14. वह अवधि, जिसके लिए प्राधिकार प्रमाणपत्र के लिए आवेदन किया गया है से तक
15. *मैं/हम प्राधिकार फीस के संवाय मद्धे बैंक ड्राफ्ट संलग्न कर रहा *हूँ/कर रहे हैं, जो इनके नीचे वर्णित हैं :—

राज्य का नाम	संदत्त रकम	बैंक ड्राफ्ट की विशिष्टियां तारीख	और संशय की तारीख
1	2	3	4
(1)			
(2)			
(3)			
(4)			
(5)			

तारीख—

आवेदक (आवेदकों) के या प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर
या अंगूठे का निशान, रबड़ की मोहर सहित

*जो लागू न हो उसे काट दें ।

दूसरी अनुसूची

[नियम 4(2) देखिए]

प्राधिकार प्रमाणपत्र

यह प्राधिकार प्रमाणपत्र राज्यों में सर्वत्र विधिमान्य है ।
(नीचे दिए गए मान्यताप्राप्त पर्यटन सर्किटों पर)

1. व्यष्टि या कंपनी का पूरा नाम
(उपनाम, यदि कोई हो, से प्रारंभ करें)
2. पूरा पता
3. मोटर यान का रजिस्ट्रीकरण चिह्न
4. मोटर यान का इंजन संख्यांक
5. मोटर यान का चैसिस संख्यांक
6. मोटर यान का परमिट संख्यांक
7. परमिट जारी करने वाले प्राधिकारी का नाम

8. मोटर यान का मेक
9. मोटर यान का रजिस्ट्रीकृत लदान भार
10. मोटर यान का लदानरहित भार ।
11. मोटर यान के द्विनिर्माण का बंध
12. प्राधिकार प्रमाणपत्र की विधिमान्यता की अवधि से क
(समुचित प्राधिकारी की मुद्रा) (समुचित प्राधिकारी के हस्ताक्षर)

(पृष्ठभाग पर)

सविरचना फीस के सदाय का प्रमाणपत्र

क्रम सं.	राज्य का नाम	संदत रकम	बैंक ड्राफ्ट की वि- शिष्टियाँ और तारीख	संदाय की तारीख	वह अवधि, जिसके लिए सदाय किया गया है ।
1	2	3	4	5	6

समुचित प्राधिकारी के हस्ताक्षर और मुद्रा

स्थान—

तारीख—

नीमरी अनुगृही

(नियम 14 देखिए)

त्रैमासिक विवरणी

1. परमिट धारक का नाम और पूरा पता
2. मोटर यान का रजिस्ट्रीकरण चिह्न
3. पर्यटन विभाग (भारत सरकार) द्वारा दिए गए पर्यटक परिवहन अपरेटर के लिए अखिल भारतीय परमिट का रजिस्ट्रीकरण संख्यांक

तीन मास के दौरान की गई दूरियों का संक्षिप्त ब्योरा

मास	+ राज्य में तय की गई कुल दूरी	चलाने की कुल दूरी	टिप्पणियाँ
-----	-------------------------------	-------------------	------------

अखिल भारतीय परमिट धारक के हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

तारीख

1. उन राज्यों के नाम लिखें जिन्हें लागू है ।

टिप्पण:—टिप्पणियों वाले स्तंभ में, किसी विशिष्ट राज्य या राज्यों में कम या अधिक परिचालन के कारणों और ऐसे अन्य कारणों का, जिनमें कम या अधिक परिचालन हुआ, उल्लेख करें ।

चौथी अनुसूची

[नियम 15(1) देखिए]

अनुमोदित पर्यटन आपरेटर के रूप में मान्यता प्रमाणपत्र जारी करने के लिए पात्रता की शर्तें ।

- मान्यता के लिए सभी आवेदन, पर्यटन महानिदेशक, पर्यटन विभाग, परिवहन भवन, सं. 1, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 के पते पर भेजे जाएंगे ।
- पर्यटन विभाग द्वारा मान्यता प्रदान करने के लिए निम्नलिखित शर्तें पर्यटन आपरेटर द्वारा पूरी की जानी चाहिए :
 - मान्यता प्रदान किए जाने के लिए आवेदन विहित प्ररूप में होगा ।
 - पर्यटन आपरेटर के पास न्यूनतम 1.00 लाख रुपए की मसदत पूंजी होनी चाहिए, जो नवीनतम संपरीक्षित तुल्यपत्र चार्टर्ड अकाउंटेंट के प्रमाणपत्र द्वारा सम्यक् रूप से समर्थित हो ।
 - फर्म द्वारा विदेशी मुद्रा या भारतीय रुपए के रूप में केवल पर्यटन परिचालन से आवर्त न्यूनतम 5.00 लाख रुपए होना चाहिए जो चार्टर्ड अकाउंटेंट के प्रमाणपत्र द्वारा समर्थित हो ।
 - पर्यटन आपरेटर का एक ऐसा कार्यालय हो जो उसके कर्मचारियों के पूर्णकालिक सदस्य के प्रभार के अधीन हो, जो परिवहन, सौकर्य, करेसी, सीमाशुल्क विनियमों तथा यात्रा और पर्यटन से संबंधित सेवाओं के बारे में साधारण जानकारी से संबंधित विषयों में पर्यटन रूप से प्रशिक्षित अनुभवी हो ।
 - पर्यटन आपरेटर आवेदन की तारीख से पहले कम से कम एक वर्ष की अवधि तक परिचालन में रहा होना चाहिए ।
 - पर्यटन आपरेटर को आय-कर निर्धारिता होना होगा और उसने चालू निर्धारण वर्ष के लिए आयकर विवरणी फाइल की हो ।
- अनुमोदित पर्यटन आपरेटरों के रूप में एक बार प्रदान की गई मान्यता तब तक जारी रहेगी जब तक कि वह वापस नहीं ले ली जाती, किंतु यह इस शर्त के अधीन रहने हुए है कि वे इस व्यापार में बने रहते हैं और अपनी आयकर की अपेक्षित वार्षिक विवरणी और अन्य विशिष्टियां प्रस्तुत करते हैं ।
- मान्यता के लिए आवेदन करते समय पर्यटन आपरेटर ने एक बार में 1000 रु. को अप्रतिदेय फीस का संदाय करने की अपेक्षा की जाएगी । फीस बैंक ड्राफ्ट के रूप में वेतन और लेखा अधिकारी, पर्यटन विभाग को संदत्त की जाएगी । प्रत्येक शाखा कार्यालय की फीस 500 रु. होगी ।
- मान्यता पर्यटन आपरेटरों के मुख्यालयों को प्रदान की जाएगी । शाखा कार्यालयों को मुख्यालय कार्यालयों के साथ या पश्चात्तुर्वर्ती रूप से मान्यता प्रदान की जाएगी, परंतु यह तब जबकि शाखा कार्यालयों की विशिष्टियां पर्यटन विभाग को प्रस्तुत की जाती हैं और उसके द्वारा स्वीकार कर ली जाती हैं ।
- मान्यता के मामले में पर्यटन विभाग, भारत सरकार, का विनिश्चय अंतिम होगा । भारत सरकार अपने विवेकानुसार किसी फर्म को मान्यता देने में इंकार कर सकेगी या पहले से प्रदान की गई मान्यता को किसी भी समय बिना कोई कारण बताए वापस ले सकेगी, विधार्जित कर सकेगी ।
- मान्यताप्राप्त पर्यटन आपरेटर, सरकार द्वारा समय-समय पर दिए जाने वाले प्रोत्साहन और रियायतों के हकदार होंगे और पर्यटन विभाग, भारत सरकार द्वारा समय-समय पर विहित मान्यता के निबंधनों और शर्तों का पालन करेंगे ।

पांचवी अनुसूची

[नियम 15(2) देखिए]

अनुमोदित पर्यटन आपरेटर के रूप में मान्यता के लिए आवेदन का प्ररूप

- आवेदक कंपनी का नाम और पता ।
- फर्म की प्रकृति और वर्ष जब फर्म का रजिस्ट्रीकरण किया गया था या कारबार प्रारंभ किया गया था दस्तावेजी सवृन सहित ।

3. निदेशकों, भागीदारों, आदि का नाम । अन्य कारबार में उनके हितों के व्योरे भी, यदि कोई हों, उपदर्शित किए जाएं ।
4. नियोजित कर्मचारीवृन्द की विशिष्टियां, उनकी अर्हताएं, अनुभव, वेतन और फर्म में सेवाकाल ।
5. बैंककारों का नाम (कृपया अपने बैंककारों से एक प्रतिनिर्देश संलग्न कीजिए) ।
6. लेखा परीक्षकों का नाम । कंपनी विधि के अधीन विहित पर्यटन परिचालन कारबार से संबंधित तुलन-पत्र का लाभ-हानि विवरण प्रत्येक आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए जाने चाहिए । ये संपरीक्षित विवरण अंतिम समाप्त हुए वित्तीय वर्ष या आपके आवेदन के प्रस्तुत किए जाने की तारीख से ठीक पूर्व के कलेंडर वर्ष के लिए आपके स्थापन के संबंध में होने चाहिए । निम्नलिखित विवरण में अपने व्यापार वर्ष के व्योरे भी प्रस्तुत कीजिए :---

संबंधित पर्यटन आपरेटर का नाम और विशिष्टियां

- (क) समादत्त पूंजी
- (ख) ऋण
 - (i) प्रतिभूत
 - (ii) अप्रतिभूत
- (ग) आरक्षित
- (घ) चालू दायित्व और उपबंध
- (ङ) योग-----
- (च) स्थिर आस्तियां (जिनके अंतर्गत अमूर्त आस्तियां नहीं हैं)
- (छ) विनिधान
- (ज) चालू आस्तियां
- (झ) अपूर्ण आस्तियां
- (य) योग-----

- टिप्पण :--(i) आरक्षित में लाभ और हानि के लेखा का अतिशेष सम्मिलित होगा और कराधान आरक्षित अपवर्जित होगा ।
- (ii) चालू दायित्व और उपबंधों में कराधान आरक्षित सम्मिलित होगा ।
- (iii) चालू आस्तियों में अन्यान्य ऋण, ऋण और अग्रिम, नकद और बैंक अतिशेष सम्मिलित होंगे ।
- (iv) अपूर्ण आस्तियों में गुडविल, प्रारंभिक व्यय, अभिधारण और कारबार अधिकार, आम्शगत राजस्व व्यय, संचित हानि, आदि सम्मिलित होंगे ।
7. चालू निर्धारण वर्ष के लिए आयकर विवरणी के संबंध में अभिस्वीकृति प्रमाणपत्र की प्रति संलग्न होनी चाहिए ।
 8. पर्यटन परिचालन के अतिरिक्त फर्म द्वारा किए जाने वाले अन्य क्रियाकलाप ।
 9. अंतरराष्ट्रीय यात्रा संगठनों का सदस्य ।
 10. (क) आवेदन की तारीख तक संचालित पर्यटक यातायात के परिमाण के व्योरे दीजिए जिसमें विदेश और अंतर्देशीय पर्यटक यातायात को पृथक-पृथक दर्शित किया गया हो । कृपया चार्टर्ड एकाउंटेंट से एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करें । इस प्रमाणपत्र में पर्यटन परिचालन से केवल वित्तीय वर्ष या आपके आवेदन के प्रस्तुत करने की तारीख से ठीक पूर्व के कलेंडर वर्ष के दौरान प्राप्त रसीदे दर्शित होनी चाहिए ।
 - (ख) आह्व : यदि विशेष पर्यटक समूहों का संचालन किया गया हो तो उनका परिमाण, आवृत्ति, आदि ।
 - (ग) देशी पर्यटक यातायात के संवर्धन के लिए उठाए गए कदम और संचालित समूहों के व्योरे, यदि कोई हो ।
 - (घ) विदेशी पर्यटकों के लिए आयोजित विशेष कार्यक्रम, यदि कोई हो ।

11. संचालित सम्मेलनों की संख्या, यदि कोई हो, और अवस्थानों, आदि के व्योरे सहित ऐसे सम्मेलनों के यात्रियों की कुल संख्या ।
12. संचालित प्रोत्साहन पर्यटनों की संख्या ।
13. कृपया मान्यता के लिए मुख्यालय के लिए 1000 रु. और प्रत्येक शाखा कार्यालय के लिए 500 रु. का मांगदेय ड्राफ्ट फीस के रूप में संलग्न कीजिए और इस स्तम्भ में मांगदेय ड्राफ्ट सं., तारीख और रकम का उल्लेख कीजिए ।

स्वत्वधारी/भागीदार/प्रबंध निदेशक के हस्ताक्षर

फर्म की रबड़ की मोहर

स्थान—

तारीख—

छठी अनुसूची

[नियम 15(3) देखिए]

मान्यता प्रमाणपत्र

संख्यांक— तारीख—

प्रमाणित किया जाता है कि —

(अनुमोदित पर्यटक यातायात आपरेटर का नाम और पता)

को पर्यटन विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित पर्यटक यातायात आपरेटर के रूप में मान्यता दी जाती है ।

स्थान—

महानिदेशक (पर्यटन)

अनुबंध—I



MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Transport Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th August, 1993

G.S.R. 541(E).—Whereas the draft of the Motor Vehicles (All India Permit for Tourist Transport Operators) Rules, 1993, in exercise of the powers conferred by sub-section (14), read with sub-section (9) of section 88 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988) was published vide notification No. 10(E), dated the 11th January, 1993 as required by sub-section (1) of section 212 of the said Act in the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby within forty-five days from the date on which copies of the said notification published in the Gazette of India were made available to the public.

And whereas copies of the said notification were made available to the public on the 27th January, 1993. And whereas the objections and suggestions received have been considered.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (14) read with sub-section (9) of section 88 of the Motor Vehicle Act, 1988 (59 of 1988) the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

RULES

1. Short Title, Extent, Commencement and Exemption :—

- (1) These rules may be called the Motor Vehicles (All India Permit for Tourist Transport Operators) Rules, 1993.
- (2) They shall extend to the whole of India.
- (3) They shall come into force with effect from the date of publication.
- (4) The conditions prescribed in rules 82 to 85A of the Central Motor Vehicles Rules, 1989 shall not apply to the permits granted under this scheme.

2. Definitions.—In these Rules, unless the context otherwise requires, —

- (a) “Act” means the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988);
- (b) “Authorisation Certificate” means a certificate issued by an appropriate authority to a recognised Tourist Transport Operator authorising him to operate throughout the territory of India or in such continuous States, not being less than three in number including the State in which the permit is issued, on recognised tourist circuits, as are specified in the All India Permit for a tourist vehicle granted to him;
- (c) “appropriate authority” means the authority which is authorised under the Act to grant a permit in respect of a tourist vehicle;

(d) “rule” means the rule of the Central Motor Vehicles Rules, 1989;

(e) “section” means section of the Act;

(f) “Schedule” means a Schedule appended to these rules;

(g) “Tourist Transport Operator” means a company or an individual engaged in the business of promotion of tourism on tourist circuits, recognised by the Department of Tourism of the Government of India.

3. Authorisation Certificate shall be issued only to a Tourist Transport Operator recognised by the Department of Tourism of the Central Government.

4. Form, Contents and Duration etc. of the authorisation certificate :—

- (1) Every application for the issue of an Authorisation Certificate shall be made to the concerned State Transport Authority, in the Form as set forth in the First Schedule.
- (2) Every Authorisation Certificate shall be in the Form as set forth in the Second Schedule.
- (3) The period of validity of an Authorisation Certificate shall not exceed one year at a time.
- (4) The Authorisation Certificate may be renewed on an application made not less than fifteen days before the date of its expiry.

5. Procedure of applying for and issue of Authorisation Certificate :—

- (1) An application for an Authorisation Certificate may be made on any working day to the State Transport Authority concerned.
- (2) A State Transport Authority shall not ordinarily refuse to issue an Authorisation Certificate applied for under these rules.
- (3) Transport Authority may reject the application made under sub-rule (1) for good and sufficient reasons to be recorded in writing, or where the Authority is of the opinion that this would have the effect of increasing the number of Authorisation Certificates limited in terms of section 74(3);

Provided, that the Authorisation Certificate applied for shall be issued or refused within a period of thirty days from the date of receipt of application by the State Transport Authority.

6. Transfer of Permit.—(1) Save as otherwise provided in sub-rule (2), an Authorisation Certificate shall not be transferable from one person to another except with the permission of the State Transport Authority which issued the Authorisation Certificate and shall not, without such permission, confer on any person to whom a vehicle covered by the Authorisation Certificate is transferred,

any right to use that vehicle in the manner authorised by the Authorisation Certificate.

- (2) Where the holder of an Authorisation Certificate dies, the person succeeding to the possession of the vehicle covered by the Authorisation Certificate may, for a period of three months, use the Authorisation Certificate from the date of death of the holder and on his own intention to use the Authorisation Certificate :

Provided further that no Authorisation Certificate shall be so used, except after its renewal, after the date on which it would have ceased to be effective in the hands of the deceased holder.

- (3) The State Transport Authority may, on an application made to it within three months of the death of the holder of an Authorisation Certificate, transfer the said certificate to the person succeeding to the possession of the vehicle covered by the Authorisation Certificate :

Provided that the State Transport Authority may entertain an application made after the expiry of the said period of three months if it is satisfied that the applicant was prevented for good and sufficient cause from making an application within the specified time.

7. Replacement of vehicle.—The holder of an Authorisation Certificate may, with the permission of the State Transport Authority by which the Authorisation Certificate was issued, replace any vehicle covered by the Authorisation Certificate by any other vehicle of the same nature.

Explanation : The vehicle of same nature would mean having the same seating capacity for which permit has been granted and composite fee paid and such a replacement vehicle could be of any other make or model.

8. Appeals.—(1) Any person aggrieved by, —

- (a) the refusal of the State Transport Authority to issue an Authorisation Certificate or by any condition attached to, an Authorisation Certificate issued to him; or
- (b) the order of revocation or suspension of the Authorisation Certificate or by any variation of the conditions thereof; or
- (c) the order of refusal to transfer the Authorisation Certificate under rule 6 of these rules or section 82; or
- (d) the order of refusal to renew an Authorisation Certificate; or

(e) any other order which may be made,

may within a period of thirty days from the date on which the said order is communicated to the applicant, appeal to the State Transport Appellate Tribunal constituted under sub-section (2) of section 89 of the Motor Vehicles Act, 1988, who shall after giving such person and the State Transport Authority an opportunity of being heard, give a decision thereon, which shall be final.

9. Authorisation Fee.—The fee for the issue of an Authorisation Certificate shall be Rs. 500/- per annum and every application for the issue or renewal of the same shall be accompanied by a bank draft for the said amount in favour of the appropriate authority.

10. Seating Capacity.—An all India permit for Tourist Transport Operators shall be issued only in respect of vehicles with a seating capacity of not more than 35 seats, excluding the driver and the conductor Besides, provision of rule 128 of the Central Motor Vehicles Rules, 1989, except for sub-rule (11) of the said rules, shall also apply to the tourist vehicles.

11. Age of the Tourist Coaches.—An all India Permit for Tourist Transport Operators shall be deemed to be invalid from the date on which the vehicle covered by the said permit completes nine years, in the case of a motor cab and eight years in the case of a vehicle other than a motor cab.

Explanation : For the purpose of this rule, the period of nine or eight years shall be computed from the date of initial registration of the tourist vehicle concerned.

12. Distinguishing Particulars to be Exhibited on motor Vehicle.—A motor vehicle or motor cab covered under the Authorisation Certificate issued under these rules shall be painted in white colour with a blue ribbon of 10 centimetres width at the centre of the exterior of the body on both sides of the vehicle, and the word 'Tourist' shall be painted inside a circle of 60 centimetres diameter. The permit holder shall also display on the front top of the tourist vehicle, other than a motor cab, a board in yellow colour with letters in black colour with the inscription "Approved Tourist Transport Operator No." in English and Hindi, and also if the permit holder so prefers, in the regional language of the Home State, with the logo 'Peacock', as specified in Annexure No. 1.

13. List of Tourists.—A tourist vehicle, other than a motor cab, plying under an All India Permit for a Tourist Transport Operator shall at all times carry a list of tourist-passengers in respect of each trip, and the list shall be produced on demand by the officers authorised to demand production of documents by or under the Act or the rule made thereunder.

14. Quarterly Return to be filled by an All India Tourist Permit Holders.—An All India Tourist Permit holder shall file a quarterly return, in respect of the motor vehicle covered by these rules, in the Form Set

forth in the Third Schedule to the appropriate authority of the State by which the All India Permit is granted and the said authority, in turn, shall forward copies thereof to the appropriate authorities of other States concerned.

the the Form prescribed in the Fifth Schedule to the Director General of Tourism, Department of Tourism Government of India, New Delhi-110001.

15. Certificate of Recognition.—(1) The eligibility conditions for a Certificate of Recognition shall be as set forth in the Fourth Schedule.

(3) The Certificate of Recognition shall be granted in the Form prescribed in the Sixth Schedule.

(2) Every application for a Certificate of Recognition by the Department of Tourism, Government of India, shall be submitted in

[F. No. RT-11053/92-MVL]

C. S. KHAIRWAL, Jt. Secy.

The First Schedule

[See Rule 4(1)]

FORM OF APPLICATION FOR ISSUE OF AN AUTHORISATION CERTIFICATE

To

The State Transport Authority

.....

.....

I/We the undersigned, hereby apply for the issue of an Authorisation Certificate valid throughout the territory of India/in the State of _____

(Here, write the names of the states applicable)

1. Name of the applicant(s) in full (starting with surname, if any) or company
2. Name of father or husband
(in the case of an individual)
3. Complete address
4. Registration mark of the motor vehicle
5. Engine number of the motor vehicle
6. Chassis number of the motor vehicle
7. Original permit number of the motor vehicle
8. Permit issuing authority of the motor vehicle
9. Make of the motor vehicle
10. Registered laden weight of the motor vehicle
11. Unregistered laden weight of the motor vehicle.
12. Particulars of the Certificate of Recognition issued by
Deptt. of Tourism, Government of India
(Copy to be attached).
13. Year of manufacture of the motor vehicle.
14. Period for which the Authorisation Certificate is applied
for

From _____ To _____

15. I/We enclose Bank Drafts as described hereunder towards payment of the authorisation fee:—

Name of the State	Amount paid	Particulars of Bank Draft and Date	Date of Payment
(1)	(2)	(3)	(4)
(1)			
(2)			
(3)			
(4)			
(5)			

Sd/-

Signature of thumb impression of
applicant(s) OR of the authorised
signatory with official rubber stamp

Date _____

*Strike out whichever is not applicable.

The Second Schedule

[See Rule 4(2)]

AUTHORISATION CERTIFICATE

This authorisation of Certificate is valid throughout the States of _____
(On the recognised tour circuits given below)

1. Name in full of the individual or Company
(Starting with surname, if any).
2. Complete address
3. Registration mark of the motor vehicle
4. Engine number of the motor vehicle
5. Chassis number of the motor vehicle
6. Permit number of the motor vehicle
7. Name of the permit issuing authority
8. Make of the motor vehicle
9. Registered laden weight of the motor vehicle
10. Unladen weight of the motor vehicle
11. Year of manufacture of the motor vehicle
12. Period of validity of the Authorisation Certificate
(Seal of the Appropriate Authority)

From _____ To _____

(Sig. of the Appropriate Authority)

(on the Reverse)

(Certificate of payment of composite fee)

S. No.	Name of the State	Amount Paid	Particulars of Bank Draft & Date	Date of payment	Period of for which paid
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
(1)					
(2)					
(3)					
(4)					
(5)					

Signature and seal of the
Appropriate Authority

Place_____

Date_____

The Third Schedule

[See Rule 14]

QUARTERLY RETURN

1. Name and complete address of the permit holder
2. Registration mark of the motor vehicle
3. Registration Number of All India Permit for Tourist
Transport Operator as given by Department of Tourism
(Government of India)

Summary of trips made during the quarter

Month	Total distance covered in the State of*	Total distance of operation	Remarks
(a)			
(b)			
(c)			

Signature of the All India
Permit holder

Date_____

* Mention the names of the States applicable.

Note : In the remarks column, state reasons for low or high running in any particular State or States and any other factors which caused low or high operation.

The Fourth Schedule

[See Rule 15(1)]

ELIGIBILITY CONDITIONS FOR ISSUE OF A CERTIFICATE OF RECOGNITION AS
APPROVED TOUR OPERATOR

1. All applications for recognition shall be addressed to the Director General of Tourism, Department of Tourism, Transport Bhawan, No. 1, Parliament Street, New Delhi-110001.
2. The following conditions must be fulfilled by the Tour Operator for grant of recognition by Department of Tourism :

- (i) The application for grant of recognition shall be in the prescribed form.
 - (ii) The Tour Operator should have a minimum paid-up capital of Rs. 1.00 lakh duly supported by the latest audited balance sheet/Chartered Accountant's Certificate.
 - (iii) The turnover in terms of foreign exchange or Indian rupees by the firm from tour operation only should be a minimum of Rs. 5.00 lakhs duly supported by Chartered Accountant's Certificate.
 - (iv) The Tour Operator has an office under the charge a full time member of their staff, who is adequately trained/experienced in matters regarding transport, accommodation, currency, customs regulations and general-information about travel and tourism related services.
 - (v) The Tour Operator should have been in operation for a minimum period of one year before the date of application.
 - (vi) The Tour Operator will have to be income tax assessee and should have filed Income Tax return for the current assessment year.
3. The recognition as Approved Tour Operators once granted shall continue unless withdrawn subject to their continuance in this business and their submitting the requisite annual return of Income Tax and other particulars.
 4. The Tour Operator will be required to pay a non-refundable one time fee of Rs. 1,000/- while applying for the recognition. The fee will be made payable to the Pay & Accounts Officer, Department of Tourism in the form of a Bank Draft. The fee for recognition of each Branch Office will be Rs. 500/-.
 5. Recognition will be granted to the Headquarters Office of Tour Operators. Branch Offices will be approved alongwith the Headquarters Office or subsequently, provided the particulars of the Branch Offices are submitted to Department of Tourism and accepted by it.
 6. The decision of the Department of Tourism, Government of India, in the matter of recognition shall be final. The Government of India may, in their discretion, refuse to recognise any firm or withdraw/withhold at any time recognition already granted without assigning any reason.
 7. Tour Operator granted recognition shall be entitled to such incentives and concessions as may be granted by Government from time to time and shall abide by the terms and conditions of recognition as prescribed from time to time by the Department of Tourism, Government of India.

The Fifth Schedule

[See Rule 15(2)]

APPLICATION FORM FOR RECOGNITION AS APPROVED TOUR OPERATOR

1. Name and address of the applicant/Company.
2. Nature of the firm and the year when the firm was registered or commenced business, with documentary proof.
3. Name of Directors/Partners etc. the details of their interests, if any, in other business may also be indicated.
4. Give particulars of staff employed, their qualifications, experience, salary and length of service with the firm.
5. Name of Bankers (Please attach a reference from your bankers).
6. Name of Auditors. A balance-sheet and Profit & Loss statement pertaining to tour operation business as prescribed under Company Law, must be submitted by each applicant. These audited statements should be in respect of your establishment for the last completed financial year or for the calendar year immediately preceding the date of submission of your application. Also furnish details of your turnover in the following statement:—

Name and particulars of the Tour Operator concerned:

- (a) Paid up Capital
- (b) Loans
 - (i) Secured
 - (ii) Unsecured

- (c) Reserves
- (d) Current liabilities and provision
- (e) Total :-----
- (f) Fixed assets (excluding intangible assets)
- (g) Investment
- (h) Current Assets
- (i) Intangible assets
- (j) Total :-----

- NOTES : (i) Reserves would include balance of profit & loss account and would exclude taxation reserve.
- (ii) Current liabilities and provisions would include taxation reserve.
- (iii) Current assets would include sundry debts, loans and advances cash and bank balance.
- (iv) Intangible assets would include goodwill, preliminary expenses, tenancy and business rights, deferred revenue expenditure, accumulated loss etc.
7. Copy of acknowledgement certificate in respect of Income Tax return for the current assessment year should be enclosed.
8. Whether any other activities are undertaken by the firm besides Tour Operation.
9. Member of International Travel Organisations.
10. (a) Give details of volume of tourist traffic handled upto the date of application showing foreign and internal tourist traffic separately. Please submit a certificate from Chartered Accountant. This certificate should show the receipts from tour operation only during the financial year or the calendar year immediately preceding the date of submission of your application.
- (b) Clientele : Special tourist groups handled, if any, their size, frequency etc.
- (c) Steps taken to promote domestic tourist traffic and details of the groups handled, if any.
- (d) Special programmes, if any arranged for foreign tourists.
11. Number of Conferences handled, if any, and the total number of passengers for such Conferences with details of locations etc.
12. Number of incentive tours handled.
13. Please enclose a Demand Draft of Rs. 1,000/- for Head Office and Rs. 500/- for each Branch Office as fee for recognition and mention the D.D. No., date and amount in this column.

Place :-----

Date :-----

Signature of Prop./Partner/
Managing Director

Rubber stamp of the firm.

The Sixth Schedule

[See Rule 15(3)]

CERTIFICATE OF RECOGNITION

Date_____

No._____

Certified that_____

(Name and address of the Approved Tourist Transport Operator)

is recognised by the Department of Tourism, Government of India, New Delhi as an approved Tourist Transport Operator.

Place : _____

Director General (Tourism)

Annexure-I

